ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
बीकानेर

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-05-2024

जालौर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-05-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-05-18	2024-05-19	2024-05-20	2024-05-21	2024-05-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	46.0	46.0	46.0	44.0	44.0
न्यूनतम तापमान(से.)	31.0	31.0	31.0	29.0	29.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	19	19	49	64	57
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	9	10	15	15	17
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	20	23	22	23	19
पवन दिशा (डिग्री)	270	259	243	232	235
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में दिन के तापमान में बढ़ोतरी होने, मध्यम आपेक्षिक आद्रर्ता के साथ मध्यम गति की हवाएँ चलने, ज्यादातर साफ़ आसमान के साथ वर्षा नहीं होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि बेर के पौधों में कटाई-छंटाई का उचित समय शुरु हो गया है। मई माह के अंत तक कटाई छंटाई कर देनी चाहिये क्योंकि इसकी कक्ष से जो नये प्ररोह निकलते है उन्ही पर फूल एवं फल लगते है । कृन्तक करते समय रोगग्रस्त सूखी एवं आपस में रगड़ खाती टहनियों को हटा देवें ।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी होने, साफ़ आसमान के साथ वर्षा नहीं होने की संभावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	कपास की बुवाई का उपयुक्त समय मई माह का प्रथम पखवाडा हैं (जब दिन का तापमान 35 से 40 डिग्री सेंटीग्रेड हो या 15 सेंटीमीटर गहराई में मृदा का तापमान 30 से 32 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच हों) अतः किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि कपास की बुवाई के लिए खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें।
कपास	कपास की बुवाई के लिये उन्नत किस्मों (जैसे आर.जी. 8, आर.जी. 18, राज.डी.एच. 9, एच.डी. 123, आर.जी. 542) का 12 किलोग्राम बीज प्रति हैक्टेयर की दर से काम में लेवें। बीजो को बुवाई से पूर्व ट्राईकोडर्मा हरजेनियम या स्यूडोमोनास फ्लुरोसेन्स 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके ही बुवाई करें। बुवाई के समय कतार से कतार की दुरी 67.5 सेंटीमीटर (2.25 फीट) अवश्य रखें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	कपास की बुवाई से पूर्व पोषकतत्वों की आधारभूत आवश्यकता के रूप में 80 किलोग्राम यूरिया तथा 43 किलोग्राम डीएपी मृदा में 06 से 08 सेंटीमीटर गहराई में ड्रिल करने के बाद ही बुवाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पालतू पशुओ को तेज धूप में घर से बाहर न निकाले और उनके लिए साफ पीने के पानी की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों में हल्की जुताई करके छोटी समतल क्यारियों बनाएँ, जिससे आने वाली वर्षा की प्रत्येक बूंद मिट्टी में संरक्षित की जा सके। वर्षा जल के संरक्षण के साथ - साथ रबी फसलों मे की गई सिंचाई से जड़ क्षेत्र में एकत्रित लवण भी घुल कर नीचे चले जाएंगे।
सामान्य सलाह	मध्यम से भारी गठन वाली मृदाओं में रबी फसलों की कटाई के बाद गहरी जुताई करके खेत को खुला छोड़ देवें जिससे वायुमंडल, मृदा के अधिक तापमान व सूर्य की सीधी किरणों से खरपतवारों, रोग एवं कीटों के अवशेष नष्ट हो सके तथा मानसून के समय वर्षा के पानी का अवशोषण अधिक से अधिक हो सके।